''मीठे बच्चे – आत्मा से विकारों का किचड़ा निकाल शुद्ध फूल बनो। बाप की याद से ही सारा किचड़ा निकलेगा''

प्रश्नः- पवित्र बनने वाले बच्चों को किस एक बात में बाप को फालो करना है?

उत्तरः- जैसे बाप परम-पवित्र है वह कभी अपवित्र किचड़े वालों के साथ मिक्सअप नहीं होता, बहुत-बहुत सीकरेट है। ऐसे आप पवित्र बनने वाले बच्चे बाप को फालो करो, सी नो ईविल।

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।

धारणा के लिए मुख्य सारः-

1) सर्विस में बड़ा एक्यूरेट रहना है। दिन-रात सर्विस की उछल आती रहे। सर्विस को छोड़ कभी भी आराम नहीं करना है। बाप समान कल्याणकारी बनना है।

2) एक की याद से प्रीत बुद्धि बन अन्दर का किचड़ा निकाल देना है। खुशबूदार फूल बनना है। इस किचड़े की दुनिया से दिल नहीं लगानी है।

वरदानः- बाप के साथ रहते-रहते उनके समान बनने वाले सर्व आकर्षणों के प्रभाव से मुक्त भव

जहाँ बाप की याद है अर्थात् बाप का साथ है वहाँ बॉडी-कॉनसेस की उत्पत्ति हो नहीं सकती। बाप के साथ वा पास रहने वाले दुनिया के विकारी वायब्रेशन अथवा आकर्षण के प्रभाव से दूर हो जाते हैं। ऐसे साथ रहने वाले साथ रहते-रहते बाप समान बन जाते हैं। जैसे बाप ऊंचे ते ऊंचा है ऐसे बच्चों की स्थिति भी ऊंची बन जाती है। नीचे की कोई भी बातें उन पर अपना प्रभाव डाल नहीं सकती।

स्लोगनः- मन और बुद्धि कन्ट्रोल में हो तो अशरीरी बनना सहज हो जायेगा।